समस्तीपुर–दरभंगा मीटर गेज लाइन को बड़ी लाइन में बदला जाना

3759. **श्री सुरेन्द्र झा सुमन :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या समस्तीपुर–दरभंगा मीटर गेज लाइन को बड़ी लाइन में बदलने के लिए सर्वेक्षण इस बीच पूरा हो गया है ;

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ; और

(ग) यदि सर्वेक्षण अभी पूरा नहीं हुआ है तो यह कब तक पूरा हो जाएगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) और (ख). समस्तीपुर और दरभंगा के बीच मीटर लाइन का अमान परिवर्तन, जो एक अनुमोदित कार्य है, करने के लिए अन्तिम मार्ग-निर्धारण इंजीनियरी सर्वेक्षण-एवं-यातायात पुनर्मूल्यांकन सम्बन्धी रिपोर्ट तैयार हो चुकी है । इस परियोजना के निर्माण का कार्यक्रम संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

बरबाडीह–पटना रेलगाड़ी में डिब्बे जोड़ना

3760. **श्री राम देनी राम :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बरबाडीह-पटना ट्रेन में केवल पांच ही डिब्बे होने के कारण यात्रियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस ट्रेन के सभी डिब्बे आरक्षित होते हैं;

(ग) क्या सीधे पटना जाने वाले यात्रियों को भीड़भाड़ के उन डिब्बों में पूरी रात जागना पड़ता है क्योंकि इस ट्रेन में स्लीपर नहीं हैं ; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार शीघ्र इन डिब्बों की संख्या में वृद्धि करने और तीन टायर वाले दो डिब्बे जोड़ने की व्यवस्था करेगी ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) नं० 131/132 पटना-बरबाडीह–गोमो सवारी गाड़ी में गोमो और बरबाडीह के बीच 9 डिब्बे लगाये जाते हैं । पटना के लिए बरबाडीह में दो तथा गया में चार और सवारी डिब्बे लगाये जाते हैं ।

(ख) जी नहीं, दूसरे दर्जे के सभी सवारी डिब्बों में स्थान अनारक्षित होता है ।

(ग) और (घ). दूसरे दर्जे का एक-शयन-यान, जो पहले सप्ताह में तीन बार लगाया जाता था, हटा लिया गया था क्योंकि उपयोग बहुत कम होता था । लेकिन, दूसरे दर्जे के एक साधारण पटना-बरबाडीह सवारी डिब्बे के बदले, दूसरे दर्जे के इस शयन-यान को परीक्षण के तौर पर अप्रैल 1978 से फिर चलाया जा रहा है । यातायात का औचित्य न होने के साथ-साथ, इस गाड़ी में गया और पटना के बीच नियमित आधार पर एक अतिरिक्त सवारी डिब्बा लगाने की गुंजाइश नहीं है ।

Unutilised Railway Material

3761. SHRI MOHAN LAL PIPIL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that large quantities of railway-tracks, rails, sleepers and other railway material have been lying unutilised in the various railway zones for the last several years;

(b) whether any assessment has been made regarding the total estimated value to these articles, if so, the estimated value therof;